Gender

अथवा

(ख) अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

इकाई-1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

(क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

(ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)
रैडिकल, मॉर्क्सवादी, उदारवादी आदि, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता

(ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन
जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

इकाई-2 : विमर्शमूलक कथा साहित्य :

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि - सलाम,
2. हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या 158-167
3. नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

इकाई-3 : विमर्शमूलक कविता :

(क) दलित कविता : अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे), नगीना सिंह (कितनी व्यथा) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

(ख) स्त्री कविता : 1. कीर्ति चौधरी : सीमा रेखा 2. कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा 3. सविता सिंह : 'मैं किसकी औरत हूँ?'

इकाई-4 : विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1. प्रभा खेतान, पृष्ठ 28-42 : अन्या से अनन्या तक
2. तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ; पृष्ठ संख्या 125 से 135)
3. महादेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न'

सहायक ग्रंथ :

➢ सिमोन द बोउवा - स्त्री उपेक्षिता

सेमेस्टर-4

(4.3)

HCC-10 : हिंदी उपन्यास

इकाई-1 :	प्रेमचंद	:	कर्मभूमि
इकाई-2 :	जैनेन्द्र	:	सुनीता
इकाई-3 :	यशपाल	:	दिव्या
इकाई-4 :	मन्नू भंडारी	:	आपका बंटी

सहायक ग्रंथ

- प्रेमचन्द : उपन्यास सम्बन्धी निबन्ध ('विविध प्रसंग भाग-3')
- प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
- उपन्यास और लोकजीवन – रॉल्फ फॉक्स
- हिंदी उपन्यास – संपा. भीष्म साहनी भगवती प्रसाद निदारिया
- कथा समय में तीन हमसफर – निर्मला जैन
- हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
- प्रेमचंद : एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान
- उपन्यास का उदय – इयान वॉट
- उपन्यास के पहलू – ई.एम.फोस्टर
- विविध प्रसंग – प्रेमचंद
- कलम का सिपाही – अमृत राय
- कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा
- आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा
- प्रेमचंद – संपा. डॉ. सत्येन्द्र
- सृजनशीलता का संकट – नित्यानंद तिवारी
- हिंदी उपन्यास – संपा. नामवर सिंह
- आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय

Professional Ethics

AECC-2

सेमेस्टर-1/2

MIL Comm.

हिंदी भाषा और सम्प्रेषण (स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रम : बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम. ऑनर्स और प्रोग्राम के सभी विद्यार्थियों के लिए)

इकाई-1 : भाषिक संप्रेषण : स्वरूप और सिद्धांत

- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण की प्रक्रिया
- संप्रेषण के विभिन्न मॉडल
- संप्रेषण की चुनौतियाँ

इकाई-2 : संप्रेषण के प्रकार

- मौखिक और लिखित
- वैयक्तिक और सामाजिक
- व्यावसायिक
- भ्रामक संप्रेषण (Miss Communication)
- संप्रेषण बाधाएँ और रणनीति

इकाई-3 : संप्रेषण के माध्यम

- एकालाप
- संवाद
- सामूहिक चर्चा
- प्रभावी संप्रेषण

इकाई-4 : पढ़ना और समझना

- गहन अध्ययन
- अध्याहार
- सार और अन्वय
- विश्लेषण और व्याख्या
- अनुवाद

Moral Values

सेमेस्टर-3

(3.3)

HCC-7 : हिंदी कहानी

इकाई-1

1. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. पूस की रात - प्रेमचंद
3. छोटा जादूगर - प्रसाद

इकाई-2

4. पाजेब - जैनेन्द्र कुमार
5. तीसरी कसम - फणी वरनाथ रेणु
6. चीफ की दावत - भीश्म साहनी

इकाई-3

7. परिन्दे - निर्मल वर्मा
8. दोपहर का भोजन - अमरकांत
9. सिक्का बदल गया - कृश्णा सोबती

इकाई-4

10. जंगल जातकम् - का ीनाथ सिंह
11. वापसी - उषा प्रियंवदा
12. घुसपैठिये - ओमप्रका I बाल्मीकि

सहायक ग्रंथ

- संकलित निबंध - नलिन विलोचन शर्मा
- 'एक दुनिया समानान्तर' - राजेन्द्र यादव
- 'कहानी : नई कहानी' नामवर सिंह
- नई कहानी की भूमिका - कमले वर
- हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय

Moral Values

सेमेस्टर-1

(1.2)

HCC-2 : हिंदी कविता (आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य)

पाठ-सामग्री

इकाई-1 (क) **अमीर खुसरो** – अमीर खुसरो (व्यक्तित्व और कृतित्व) डॉ॰ परमानंद पांचाल

कव्वाली – घ (1)

गीत – ड. (4) (13)

दोहे – च (पृष्ठ 86); 5 दोहे

(1) गोरी लोने (2) खुसरो रैन (3) देख मैं (4) चकवा चकवी (5) सेज सूनी

(ख) **विद्यापति** – विद्यापति की पदावली, संपा. आचार्य श्रीरामलोचन शरण

वंदना - 1 राधा की वंदना

श्रीकृष्ण का प्रेम - 35 (प्रेम-प्रसंग)

राधा का प्रेम - 36

इकाई-2 (क) **कबीरदास** - कबीर ग्रंथावली, संपा. डॉ. माता प्रसाद गुप्त
(लोकभारती प्रकाशन; प्रथम संस्करण; फरवरी, 1969)

साँच कौ अंग (साखी 2, 16)

धर्म विद्यौसण कौ अंग (1, 10)

भेष कौ अंग (2, 12)

सधा साषीभूत कौ अंग (3, 4)

सरग्राही कौ अंग (3,4)

संग्रथाई कौ अंग (9)

– पद संख्या 64 – काहे री नलिनी . . .

– पद संख्या 66 – अब का करूँ . . .

(ख) **मंझन** – मंझन-कृत 'मधुमालती'; संपा. माता प्रसाद गुप्त

अथवा

(ख) भाषा शिक्षण

इकाई-1 : भाषा-शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षण : अभिप्राय तथा उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
- शिक्षण, प्रशिक्षण, अर्जन और अधिगम

इकाई-2 : भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ – जे.एस. ब्रूनर, वाईगोत्स्की, हिलगार्ड, पियाजे

- प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषा (द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
- मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

इकाई-3 : हिंदी शिक्षण

- भाषा कौशल – सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना
- हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण (स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा)
- द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण
- विदेशी भाषा के रूप में भारत तथा विदेशों में हिंदी भाषा शिक्षण

इकाई-4 : भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

सहायक ग्रंथ

- भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- अन्य भाषा-शिक्षण के कुछ पक्ष – संपा. अमर बहादुर सिंह

अथवा

(ग) कार्यालयी हिंदी

इकाई-1 : कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

- अभिप्राय तथा उद्देश्य
- कार्यालयी हिंदी का क्षेत्र
- सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर
- कार्यालयी हिंदी की स्थिति और संभावनाएँ

इकाई-2 : कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

- कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम तथा अनुभाग के नाम
- मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन, निर्देश आदि
- औपचारिक पदावलियाँ/अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार की जाएगी)

इकाई-3 : कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

- सामान्य परिचय
- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा आदि)
- रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन
- आवेदन-लेखन

इकाई-4 : टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण

- टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा शैली
- प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि
- संक्षेपण के प्रकार, विशेषताएँ और संक्षेपण की विधि
- उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

Professional Ethics

➢ जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा — जगदीश्वर चतुर्वेदी

अथवा

विज्ञापन और हिंदी भाषा

इकाई-1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

- विज्ञापन : अर्थ व परिभाषा
- विज्ञापन का महत्त्व
- विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड-निर्माण
- विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)

इकाई-2 : विज्ञापन : विविध माध्यम

- सामान्य परिचय
- विज्ञापन माध्यम का चयन
- प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविज़न के लिए कॉपी लेखन

इकाई-3 : विज्ञापन की भाषा

- विज्ञापन की भाषा का स्वरूप
- विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर)
- हिंदी विज्ञापनों की भाषा

इकाई-4 : विज्ञापन-निर्माण का अभ्यास

- प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण
- रेडियो जिंगल लेखन
- टेलीविज़न के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण

सहायक ग्रंथ

➢ जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ